>

Title: Need to ensure early release of an Indian citizen abducted by Somalian Pirates.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): आदरणीय सभापति जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। एक मालवाहक समूद्री जहाज एमबी-2 को, 26 नवम्बर, 2011 को सोमालिया के समुद्री लूटरों ने अगवा कर लिया था। इस जहाज में कुल 23 सदस्य थे जिनमें से 7 सदस्य पाकिस्तान, 7 सदस्य श्रीलंका, 6 सदस्य बंगलादेश, 1 सदस्य इरान तथा 2 सदस्य भारत के थें। इनको छोड़ने के लिए सोमालिया के लूटरों ने पहले 8 मिलियन डालर और बाद में 2.8 मिलियन डालर की मांग रखी। पाकिस्तान ने 1.20 मिलियन डालर दे कर अपने सदस्य को छुड़ा लिया है। श्रीलंका और बांगलादेश की सरकारें भी अपने लोगों को छुड़ाने के लिए इन अगवकर्ताओं से बात कर रहे हैं। परन्तु इस के बारे में भारत सरकार क्या कर रही है? देश यह जानना चाहता है। इनकी एक मांग यह भी है कि भारतीय नेवी द्वारा पकड़े गए 61 सोमालियन को छोड़ो तभी भारतीयों को छोड़ेंगे।

आदरणीय सभापति जी, भारत के दो नागरिकों में से एक को 25 जून, 2011 को मार दिया गया है। अब दूसरे नागरिक के लिए 45 दिनों का समय दिया गया है। दूसरा नागरिक हमारे संसदीय क्षेत्र कांगड़ा जिला से, श्री अमन कुमार, सुपुत्र श्री केवल किशन, गांव कडयाल, तहसिल ज्वाली, जिला कांगड़ा है। वह मर्चेन्ट नेवी में काम कर रहा था।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप अपनी मांग रखिए।

डॉ. राजन सुशान्त: उसने अब दो अगस्त को संदेश भेजा है कि मेरी जान को खतरा है और मुझे जल्दी से जल्दी छुड़ा लें। उसने अपनी जान की भीख मांगी है।

मेरी भारत सरकार से विशेष कर माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय विदेश मंत्री जी तथा माननीय नेता विपक्ष से प्रार्थना है कि इस हिमाचली भारतीय युवक की रक्षा तुरन्त की जाए व इसे तुंत लूटरों से छुड़ा कर भारत लाया जाए।